

प्रेषक,

ओपीओतिवारी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्राचार्य,
जीओबीओपंत इंजीनियरिंग कालेज
घुड़दौड़ी पौड़ी।

शिक्षा अनुभाग-8 (तकनीकी)

देहरादून: दिनांक: 22 दिसम्बर, 2010

विषय:- जीओबीओपंत इंजीओ कालेज, घुड़दौड़ी में अध्ययनरत् अनुसूचित जन जाति वर्ग के छात्रों के लिये कौशल विकास, शैक्षिक सुविधा आदि हेतु अनुसूचित जन जाति उपयोजना के अन्तर्गत धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1300/Pr.O/2010, दिनांक 13.10.2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में जीओबीओपंत इंजीनियरिंग कालेज, घुड़दौड़ी में अध्ययनरत् अनुसूचित जन जाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के कौशल विकास, शैक्षिक सुविधा आदि हेतु निम्नानुसार कुल ₹ 25,00,000/- (रुपये पच्चीस लाख मात्र) की स्वीकृति प्रदान करते हुए अधोलिखित शर्तों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

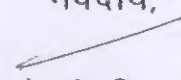
क्र.सं.	मद/कार्य का नाम	धनराशि (लाख ₹ में)
1-	पर्सनेलिटी एण्ड कम्युनिकेशन स्किल डेवलपमेन्ट	1.00
2-	अनुसूचित जन जाति के छात्रों के लिये कम्प्यूटर लैब की स्थापना	14.00
4-	अनुसूचित जनजाति वर्ग के प्रथम वर्ष में अध्ययनरत् छात्रों हेतु ब्रिज कोर्स	1.00
5-	सेन्ट्रल लाइब्रेरी में बुक बैंक की स्थापना	9.00
	कुल योग-	25.00

(रुपये पच्चीस लाख मात्र)

2- चूंकि प्रस्तावित योजना के कम्पोनेन्ट्स में 'कम्प्यूटर लैब की स्थापना' तथा 'सेन्ट्रल लाइब्रेरी में बुक बैंक की स्थापना' स्थायी प्रकृति के हैं तथा केवल अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिये हैं, अतः इस योजना को अग्रेत्तर कालेज अपने संसाधन से चला सकता है/चलायेगा तथा इसके लिये भविष्य में राज्य सरकार से किसी अतिरिक्त धनराशि की मांग नहीं की जायेगी।

3- धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है कि जैसे व्यय करने के लिए बजट मैनुवल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों का या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक है। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जायेगा।

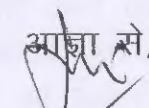
- 4— उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय उसी प्रयोजन हेतु किया जायेगा, जिस हेतु धनराशि स्वीकृत की जा रही है।
- 5— उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत किया जाय।
- 6— उक्त धनराशि व्यय किये जाने से पूर्व सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तथा वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर निर्गत दिशा-निर्देशों एवं उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्थोरमेन्ट) नियमावली, 2008 के सभी प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 7— निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
- 8— मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनदेश सं० 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.06 द्वारा निर्गत ओडरों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- 9— संस्था को अनुदानित धनराशि का भुगतान जिलाधिकारी गढ़वाल द्वारा बिल प्रतिहस्ताक्षरित किये जाने के उपरान्त कोषाधिकारी पौड़ी द्वारा सीधे आपको कर दिया जायेगा। संबंधित कोषागार बीजक एवं दिनांक की सूचना निदेशक, प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड तथा शासन को तत्काल भेजी जाय।
- 10— इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2203-तकनीकी शिक्षा-00-आयोजनागत-112-इंजीनियरिंग/तकनीकी कालेज तथा संस्थान-00-05-इंजीनियरिंग कालेज, घुड़दौड़ी (पौड़ी) को सहायक अनुदान-20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।
- 11— यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-695(P)/XXVII(3)/2010 दिनांक 16.12.2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

 (ओ०पी०तिवारी)
 उप सचिव।

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. जिलाधिकारी, पौड़ी।
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौड़ी।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग/समाज कल्याण (नियोजन प्रकोष्ठ)।
7. एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

 (सुनील सिंह)
 अनु सचिव।